

अध्याय - 12 | सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (मेघ आए)

QUIZ PART-01

1. 'पाहुन' शब्द का अर्थ क्या है?

- A. दारु B. पत्र
C. अतिथि D. दूल्हा (C)

व्याख्या: 'पाहुन' शब्द का अर्थ 'अतिथि' होता है। कवि ने बादलों को 'पाहुन' कहा है, जो गाँव में शहर से आए अतिथि की तरह प्रतीत होते हैं।

2. बादलों के आने से पहले क्या हुआ?

- A. नदी बहने लगी
B. हवा चल पड़ी
C. घुड़न छा गई
D. शोर बढ़ गया (B)

व्याख्या: कविता में वर्णन है कि बादलों के आने से पहले हवा नाचती-गाती हुई चलने लगी, जिससे वातावरण में उत्साह फैल गया।

3. लोगों ने अपने दरवाज़े और खिड़कियाँ क्यों खोल दीं?

- A. बारिश करवाने के लिए
B. हवा का आनंद लेने के लिए
C. बादलों का सुंदर दृश्य देखने के लिए
D. आंधी रोकने के लिए (C)

व्याख्या: लोग अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाज़े इसीलिए खोलते हैं ताकि वे बादलों के सुंदर दृश्य का आनंद ले सकें।

4. पेड़ झुक-झाँकने क्यों लगे?

- A. हवा के वेग के कारण
B. नम्रता के कारण
C. जिज्ञासा से
D. वर्षा के भय से (A)

व्याख्या: तेज़ हवा के वेग के कारण पेड़ झुकने और अपनी शाखाओं को हिलाने लगे, जिससे ऐसा लगा मानो वे झाँक रहे हों।

5. किनके घूँघट सरकने का वर्णन किया गया है?

- A. नदी के
B. हवा के
C. गाँव की स्त्रियों के
D. नायिका के (A)

व्याख्या: कविता में कहा गया है कि नदी ठिठककर खड़ी है और उसका घूँघट सरक गया है, जो नदी की लहरों का प्रतीकात्मक चित्रण है।

6. "मेघ आए बड़े बन-ठन के साँवर के" — इस पंक्ति में कवि ने क्या दर्शाया है?

- A. बादलों की गंभीरता
B. बादलों का सुंदर, सजा-धजा रूप
C. बारिश का भय
D. बिजली की गर्जना (B)

व्याख्या: कवि ने बादलों को सजे-धजे रूप में प्रस्तुत किया है, मानो वे सावन के मेले में बन-ठनकर आए हों।

7. 'बाँकी सचतवन उठा' का अर्थ क्या है?

- A. आँखों में आश्चर्य झलकना
B. तीखी नजर से देखना
C. पेड़ों का नाचना
D. वर्षा की बूंदें गिरना (B)

व्याख्या: "बाँकी सचतवन उठा" का अर्थ है — तीखी नजर उठी, अर्थात् सब कुछ ध्यानपूर्वक देखने की भावना उत्पन्न हुई।

8. कवि ने किस प्राकृतिक परिवर्तन का चित्रण किया है?

- A. सर्दी के आगमन का
B. वर्षा ऋतु के प्रारंभ का
C. गर्मी की तपन का
D. शरद ऋतु की शांति का (B)

व्याख्या: कवि ने इस कविता में वर्षा ऋतु के आगमन का सजीव और आनंददायक चित्र प्रस्तुत किया है।

9. "आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए" — इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

- A. उपमा अलंकार B. रूपक अलंकार
C. मानवीकरण अलंकार D. उत्प्रेक्षा अलंकार (C)

व्याख्या: यहाँ धूल को मानवी रूप दिया गया है — जैसे वह स्त्री की तरह घाघरा उठाकर भाग रही हो, अतः यह मानवीकरण अलंकार है।

10. कविता का मुख्य भाव क्या है?

- A. प्रकृति का भयावह रूप
B. वर्षा ऋतु की उमंग और आनंद
C. किसानों की मेहनत
D. आकाश का क्रोध (B)

व्याख्या: कविता में वर्षा ऋतु के आगमन से प्रकृति और मानव दोनों में उत्पन्न उल्लास, सजीवता और उत्साह का चित्रण किया गया है।